Hindi Murli Quiz 28-11-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	मैं जो ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर.... हूँ, तो तुमको वर्सा कैसे दूँ!	ऊपर से तो नहीं दूँगा। क्या प्रेरणा से पढ़ाऊंगा? जरूर आना पड़ेगा ना।
B	उनको तो आज वजन किया, कल मर जायेंगे। धन कोई काम नहीं आयेगा।	तुमको तो बाप अखुट खजाने में ऐसा वजन करते हैं जो 21 जन्म साथ रहेगा।
C	अगर श्रीमत पर चलेंगे तो वहाँ दु:ख का नाम नहीं, कभी अकाले मृत्यु नहीं होती।	मौत से डरेंगे नहीं। यहाँ कितना डरते हैं, रोते हैं। वहाँ कितनी खुशी होती है - जाकर प्रिंस बनेंगे।
D	तुम जानते हो आत्मा ही ज्ञान धारण करती है, इसलिए बाप कहते हैं	अपने को आत्मा समझो। आत्मा में ही अच्छे वा बुरे संस्कार होते हैं।
E	तुम्हारा बाहर का शो ज़रा भी नहीं।	साधारण रीति इस रथ में बैठ पढ़ाते हैं।

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	किनकी दबी रही धूल में.....	बाप स्वर्ग की स्थापना करते हैं, उसमें जो लगाते हैं उन्हों को 21 जन्मों के लिए हीरों-जवाहरों के महल मिलेंगे।
B	सिर्फ ओम् का अर्थ निकलता है	ओम् भगवान।
C	ओम् शान्ति का अर्थ है	मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।
D	कोई जंगल में जाने से	शान्ति नहीं मिलती है।
E	सच्ची शान्ति मिलनी ही तब है	जब घर जाते हैं।
F	रावण क्या चीज़ है, यह कोई भी	विद्वान पण्डित आदि नहीं जानते।
G	तुम बच्चे जानते हो यह साहूकारी	बाकी थोड़े समय के लिए है। यह सब मिट्टी में मिल जायेंगे।

Q.3) **भक्ति मार्ग में सब बाप को ही याद करते हैं। गायन भी है .....**

- A. एक ओंकार .....
- B. तुम मात-पिता....
- C. मूत पलीती कप्पड़ धोये....
- D. किनकी दबी रही धूल में....
- E. दु:ख में सिमरण सब करें.....

Q.4) **एक सेकण्ड में व्यर्थ संकल्पों पर फुल स्टॉप लगा दो-यही ....**

- A. योगी तू आत्मा के लक्ष्ण हैं |
- B. ज्ञानी तू आत्मा की निशानी है |
- C. तीव्र पुरूषार्थ है।
- D. बाप समान बनना है |

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	ड्रामा अनुसार उस समय पर वह साक्षात्कार होता है	जो ड्रामा में पहले से ही नूँध है।
B	ड्रामा अनुसार उनको साक्षात्कार होना था। यह भी नूँध है।	कोई की बड़ाई नहीं है। यह सब ड्रामा अनुसार होता है।
C	सूक्ष्मवतन में आना-जाना साक्षात्कार आदि इस समय होता है	फिर 5 हज़ार वर्ष सूक्ष्मवतन का नाम नहीं होता।
D	देखने में तो शरीर आता है,	परमात्मा अथवा आत्मा को तो देख नहीं सकते।
E	आत्मा और परमात्मा को जानना होता है। देखने लिए फिर	दिव्य दृष्टि मिलती है।
F	और सब चीज़ें दिव्य दृष्टि से	बड़ी देखने में आयेगी। राजधानी बड़ी देखने में आयेगी।
G	आत्मा तो है ही बिन्दी। बिन्दी को देखने से	तुम कुछ भी नहीं समझेंगे। आत्मा तो बहुत महीन है।

Q.6) **इन वाक्यों का सही क्रम बताएं -**

1.अभी ज्ञान देने और लेने की स्टेज पास की, अब स्नेह की लेन-देन करो।

2.संकल्प में भी किसके प्रति स्नेह के सिवाए और कोई उत्पत्ति न हो।

3.जो भी सामने आये, सम्बन्ध में आये तो स्नेह देना और लेना है-इसको कहा जाता है सर्व के स्नेही व लवली।

4.जब सभी के प्रति स्नेह हो जाता है तो स्नेह का रिसपॉन्स सहयोग होता है और सहयोग की रिजल्ट सफलता प्राप्त होती है।

5.ज्ञान दान अज्ञानियों को करना है लेकिन ब्राह्मण परिवार में इस दान के महादानी बनो।

उदहारण- अगर सही क्रम है - पहला फिर दूसरा फिर तीसरा फिर चौथा फिर पाँचवा तो लिखें - 12345

- 13524
- १३५२४

Q.7) **इस समय भक्ति का कितना ज़ोर है, महात्मा आदि को सोने में वज़न करते रहते क्योंकि शास्त्रों के बहुत विद्वान हैं। उन्हों का प्रभाव इतना क्यों है? यह भी बाबा ने समझाया है। बाबा ने क्या समझाया है ?**

A. (●) क्योंकि झाड़ में नये-नये पत्ते निकलते हैं तो सतोप्रधान हैं। ऊपर से नई सोल आयेगी तो जरूर उनका प्रभाव होगा ना अल्पकाल के लिए।

B. ( ) क्योंकि कलियुग में हर तमोप्रधान चीज़ का जोर है |

C. ( ) क्योंकि भक्ति आधाकल्प से चलती आई है |

D. ( ) क्योंकि यह भी माया का पाम्प है |

Q.8) **सतयुग से संबंधित इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. [ ] घर में, दुकान में जहाँ तहाँ अशान्ति ही अशान्ति होगी।

B. [x] उसको कहा जाता है शान्ति का राज्य, यहाँ है अशान्ति का राज्य क्योंकि रावण राज्य है।

C. [x] वह है ईश्वर का स्थापन किया हुआ राज्य।

D. [x] सतयुग-त्रेता में यह रावण होता ही नहीं। वह है ही दैवी राज्य।

E. [x] वहाँ की गायें सतोप्रधान बहुत सुन्दर होती हैं। जैसे सुन्दर देवतायें, वैसे गायें।

F. [x] कोई गाली आदि नहीं देते, गंद नहीं खाते।